

पानी में नहाते हो कभी सत्संग में नहाया करो

पानी में नहाते हो सत्संग में नहाया करो

खाए खाए तुमको सब जीवन बीत गया
खाना तो खाते हो कभी गम भी खाया करो

औरों की बुराई तो तुम सुनते सुनाते हो
कुछ अपनी बुराई भी कह कह कर सुनाया करो

निज अवगुण कहने की हिम्मत तो जुटाया करो
पानी में नहाते हो सत्संग में नहाया करो
पानी में नहाती हो सत्संग में नहाया करो

Source:

<https://www.bharattemples.com/pani-me-nhaate-ho-satsang-me-nahaya-karo/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>